ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, सोमवार 27 जुलाई 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 100

CJP की सरकार को चेतावनी: छात्रों पर कार्रवाई नहीं रुकी तो फिर होगा देशव्यापी आंदोलन

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने केंद्र सरकार को चेतावनी दी है कि यदि आंदोलन में शामिल छात्रों और प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई नहीं रुकी तथा गिरफ्तार युवाओं को राहत नहीं मिली, तो पार्टी दोबारा देशव्यापी आंदोलन शुरू करेगी। सोमवार को दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में CJP नेताओं ने सरकार पर आंदोलन के दौरान हुए समझौते से पीछे हटने का आरोप लगाया। पार्टी प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि बिहार, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। उनका दावा है कि आंदोलन स्थगित करने का फैसला केंद्र सरकार के इस आश्वासन के बाद लिया गया था कि किसी भी प्रदर्शनकारी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं होगी। यदि सरकार अपने वादे से पीछे हटती है, तो यह लाखों युवाओं के विश्वास के साथ विश्वासघात होगा। प्रेस वार्ता में CJP नेता आशुतोष रांका और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल भी मौजूद रहे। कपिल सिब्बल ने कहा कि उनकी भूमिका पार्टी से जुड़े कानूनी मामलों में सहायता देने की है। पार्टी ने इस दौरान एक ऑनलाइन पोर्टल भी लॉन्च किया, जहां छात्र अपनी शिकायतें, केस से जुड़ी जानकारी और वीडियो अपलोड कर सकेंगे। इससे पहले सौरव दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट कर आरोप लगाया था कि असम, बिहार और पश्चिम बंगाल में आंदोलन से जुड़े छात्रों को हिरासत में लिया जा रहा है और उनके खिलाफ कार्रवाई जारी है। इधर, आंदोलन से जुड़े प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक सोमवार को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने राजघाट पहुंचे। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से लद्दाख में गांधीजी के अहिंसक मार्ग को अपनाया गया और इस आंदोलन ने उनका यह विश्वास और मजबूत किया है कि आज भी अहिंसा के रास्ते पर चलकर समाधान निकाला जा सकता है।

देश में पहली बार प्लास्टिक करेंसी की तैयारी, 10 और 20 के 200 करोड़ पॉलीमर नोट होंगे जारी

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। भारत में जल्द ही करेंसी का नया दौर शुरू होने जा रहा है। केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) पहली बार ₹10 और ₹20 के पॉलीमर (प्लास्टिक) बैंक नोटों का पायलट प्रोजेक्ट शुरू करेगा। ट्रायल के तहत दोनों मूल्यवर्ग के 100-100 करोड़ यानी कुल 200 करोड़ नोट छापे जाएंगे। यदि यह प्रयोग सफल रहता है तो भविष्य में अन्य मूल्यवर्ग के नोट भी पॉलीमर सामग्री पर जारी किए जा सकते हैं। लोकसभा में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि पॉलीमर नोटों के आने से मौजूदा कागजी नोट बंद नहीं होंगे। दोनों तरह की करेंसी एक साथ चलन में रहेगी और बदलाव चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा।

क्यों लाए जा रहे हैं पॉलीमर नोट?

आरबीआई का मानना है कि पॉलीमर नोट सामान्य कागजी नोटों की तुलना में कई गुना अधिक टिकाऊ होते हैं। ये पानी, धूल, नमी और गंदगी से खराब नहीं होते, आसानी से फटते नहीं हैं और लंबे समय तक उपयोग में बने रहते हैं। इससे नोटों की बार-बार छपाई की जरूरत कम होगी और लंबे समय में लागत में भी कमी आएगी। पॉलीमर नोटों में अत्याधुनिक सुरक्षा फीचर्स जोड़ना आसान होता है। इनकी नकल करना सामान्य कागजी नोटों की तुलना में कहीं अधिक कठिन माना जाता है। इससे नकली नोटों की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण मिलने की उम्मीद है।

आरबीआई ने जारी किया ग्लोबल टेंडर

नोटों की छपाई के लिए आवश्यक पॉलीमर सबस्ट्रेट शीट की आपूर्ति हेतु आरबीआई की नोट प्रिंटिंग इकाई ने वैश्विक स्तर पर एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (EOI) जारी किया है। दुनिया भर की कंपनियों से तकनीकी और वित्तीय प्रस्ताव मांगे गए हैं। टेंडर जमा करने की अंतिम तिथि 18 अगस्त निर्धारित की गई है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड सहित दुनिया के 60 से अधिक देशों में पॉलीमर बैंक नोट सफलतापूर्वक प्रचलन में हैं। भारत ने भी वर्ष 2012 में इस दिशा में प्रयास किया था, लेकिन तकनीकी कारणों से योजना आगे नहीं बढ़ सकी। अब नई तकनीक के साथ इसे फिर से लागू करने की तैयारी है।

बढ़ रही है करेंसी छपाई की लागत

आरबीआई की वित्त वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार नोटों की छपाई पर 6,372.8 करोड़ खर्च हुए, जबकि एक वर्ष पहले यह खर्च 5,101.4 करोड़ था। बढ़ती लागत और नोटों की मांग को देखते हुए पॉलीमर करेंसी को भविष्य की जरूरत माना जा रहा है।

पेपर लीक कानून पर आज संसद में चर्चा, विपक्ष-सरकार में बनी सहमति; सख्त सजा वाला संशोधन बिल होगा पेश

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। देशभर में पेपर लीक के मामलों पर सख्ती बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा लाया गया 'पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' मंगलवार को लोकसभा में चर्चा और मतदान के लिए पेश किया जाएगा। सोमवार को स्पीकर ओम बिरला की पहल पर सरकार और विपक्ष के बीच सहमति बनने के बाद संसद में इस मुद्दे पर गतिरोध खत्म होने की उम्मीद है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मंगलवार दोपहर 12 बजे से विधेयक पर चर्चा शुरू हो सकती है। सोमवार को विपक्ष के हंगामे के कारण बिल पर बहस नहीं हो सकी थी। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के सांसद NEET पेपर लीक आंदोलन के दौरान छात्रों पर कथित लाठीचार्ज के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग करते रहे, जिसके चलते लोकसभा की कार्यवाही चार बार स्थगित करनी पड़ी।

क्या होंगे नए प्रावधान?

सरकार 2024 में बने कानून को और अधिक कठोर बनाने के लिए संशोधन ला रही है। प्रस्तावित बदलावों में पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ी के मामलों में सजा और जुर्माने दोनों को बढ़ाने का प्रावधान है। साथ ही राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित करने का अधिकार दिया जाएगा, ताकि ऐसे मामलों की रोजाना सुनवाई कर जल्द फैसला हो सके। यह कानून UPSC, SSC, रेलवे भर्ती, बैंकिंग भर्ती, NTA सहित केंद्र सरकार और उसकी एजेंसियों द्वारा आयोजित सभी सार्वजनिक परीक्षाओं पर लागू होगा।

NEET विवाद के बाद आया संशोधन

सरकार ने यह संशोधन NEET पेपर लीक विवाद और उसके बाद देशभर में हुए छात्र आंदोलनों के मद्देनजर तैयार किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही परीक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाने की घोषणा कर चुके हैं। इसके तहत इन्फोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में परीक्षा सुधारों के लिए हाई-पावर्ड टास्क फोर्स भी गठित की गई है।

CJP आंदोलन पर BJP का बड़ा आरोप: 'विदेशी फंडिंग' की जांच हो, मदन राठौड़ ने उठाए सवाल

24 न्यूज अपडेट

जयपुर/ नई दिल्ली, 27 जुलाई। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के नेतृत्व में हुए छात्र आंदोलन को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने विदेशी फंडिंग की आशंका जताते हुए इसकी जांच की मांग की है। संसद परिसर में मीडिया से बातचीत में राठौड़ ने कहा कि प्रदर्शनकारियों को विदेशों से आर्थिक सहायता मिलने के संकेत मिले हैं और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। राठौड़ ने दावा किया कि सोशल मीडिया और टीवी चैनलों पर सामने आई जानकारी के अनुसार आंदोलन के दौरान दुबई, कुवैत, बांग्लादेश समेत अन्य स्थानों से प्रदर्शनकारियों के लिए भोजन की बुकिंग कराई गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एक मोबाइल रिपेयरिंग का काम करने वाले व्यक्ति ने प्रतिदिन ₹10 लाख का भोजन उपलब्ध कराया। उन्होंने कहा कि यह धन कहां से आया, इसकी जांच जरूरी है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने दोहराया कि पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस पूरे विवाद में कोई दोष नहीं था। उनके अनुसार छात्रों के आंदोलन के पीछे "टुकड़े-टुकड़े गैंग" सक्रिय था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युवाओं के मुद्दों को लेकर गंभीर हैं और पेपर लीक व नकल रोकने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट तथा सख्त कानून जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व भाजपा सांसद महेश जेठमलानी ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर CJP नेताओं के कथित जश्न का वीडियो साझा करते हुए आंदोलन की फंडिंग पर सवाल उठाए थे। उन्होंने पूछा था कि यात्रा, भोजन, ठहरने और अन्य खर्चों का वहन कौन कर रहा है। राठौड़ ने भी इन्हीं सवालों को दोहराते हुए पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती : अब ऑनलाइन माध्यम से होगी जिले में शिक्षा विभाग आवंटित अभ्यर्थियों की काउंसलिंग

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 जुलाई। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा आयोजित चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती परीक्षा-2024 में चयनित एवं उदयपुर जिले में शिक्षा विभाग आवंटित अभ्यर्थियों की नियुक्ति/ पदस्थापन के लिए अब काउंसलिंग ऑनलाइन माध्यम से कराई जाएगी। यह प्रक्रिया मंगलवार 28 जुलाई से गुरुवार 30 जुलाई तक शाला दर्पण के एसएसपीएमएस मॉड्यूल के माध्यम से सम्पन्न होगी। जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) मुख्यालय दीपक गौड़ ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर से प्राप्त निर्देशों के क्रम में चयनित अभ्यर्थियों को अब शाला दर्पण पोर्टल WWW.RAJSHALADARPAN.RAJASTHAN.GOV.IN पर उपलब्ध एसएसपीएमएस मॉड्यूल के माध्यम से निर्धारित अवधि में ऑनलाइन लॉगिन कर उपलब्ध रिक्तियों के अनुसार अपनी वरीयता भरनी होगी। काउंसलिंग की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन संचालित की जाएगी।

संपादकीय : अब आगे

एक स्वस्थ लोकतंत्र की यही खूबसूरती है कि अगर किसी मसले पर सरकार के रुख की वजह से जनता के बीच असंतोष और विरोध की भावना बढ़ रही हो, तो सरकार को इस पर विचार करना चाहिए । इस लिहाज से देखें तो पिछले कुछ समय से नीट 2026 में प्रश्नपत्र लीक होने के मसले पर लोगों के भीतर उभरे व्यापक क्षोभ और विरोध के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का आखिर इस्तीफा देना लोकतांत्रिक परंपरा की ही अगली कड़ी है। हालांकि सरकार ने अगर इस संबंध में समय रहते ठोस फैसला किया होता और जनता के बीच स्पष्ट संदेश देने की कोशिश की होती, तो शायद लोगों के बीच आक्रोश का दायरा इतना नहीं फैलता, जिसने सरकार की मंशा पर गहरे सवाल उठाए। प्रश्नपत्र लीक होने की घटना के उजागर होने के बाद से ही समूचा सरकारी तंत्र क तरह से कठघरे में खड़ा था और लोगों ने सरकार से जिम्मेदारी तय करने के साथ-साथ ठोस कार्रवाई की मांग की थी। मगर सरकार ने इस मसले पर तब तक उपेक्षा और उदासीनता का रुख अपनाए रखा, जब तक काकरोच जनता पार्टी के आह्वान के बाद दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में इस मुद्दे पर व्यापक जनांदोलन नहीं खड़ा हो गया। विचित्र यह भी है कि प्रश्नपत्र लीक होने की घटना की गंभीरता और उस पर लोगों के बीच पसरते आक्रोश की तीव्रता का अंदाजा होने के बावजूद सरकार ने न तो ठोस कार्रवाई करने का संकेत दिया और न ही आंदोलन के लिए सड़क पर उतरे विद्यार्थियों से संवाद कायम करने की कोशिश की। इसके उलट जंतर मंतर पर जमे प्रदर्शनकारियों ने जब 'संसद मार्च' के आह्वान के जरिए अपनी मांग और आवाज को आगे बढ़ाना चाहा, तो उन्हें रोकने के लिए सरकार ने एक तरह पुलिस को खुला छोड़ दिया गया। नतीजतन, पुलिस ने हर मानवीय तकाजे को ताक पर रख कर प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े और बेरहमी से लाठीचार्ज किया। सरकार का यह रवैया लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों को चोट पहुंचाने वाला था। इसी के बाद न केवल दिल्ली में, बल्कि देश के कई राज्यों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। यह एक तरह से इस समूचे मुद्दे पर सरकार के अपरिपक्व रवैये का सबूत था, जिसके तहत आंदोलनकारियों से संवाद करके समस्या का समाधान निकालने के बजाय बल प्रयोग के जरिए उनका दमन करने की कोशिश की गई। जाहिर है, सरकार का यह रुख एक और अलोकतांत्रिक तथा गैरजिम्मेदार कदम के रूप में देखा गया और सवाल उठे कि क्या इस तरह असहमत होने और विरोध करने के संवैधानिक अधिकारों का दमन किया जा रहा है। जबकि विद्यार्थियों के असंतोष की अभिव्यक्ति दरअसल लंबे समय से इस मसले पर सरकार की उदासीनता और बार-बार परीक्षाओं के आयोजन में गड़बड़ी से लेकर समावेशी शिक्षा के सिद्धांत की अनदेखी से उपजी स्थिति थी। अब देर से सही, धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा आना जिम्मेदारी तय किए जाने की प्रक्रिया का एक उदाहरण है। इसके बाद अब शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी प्रल्हाद जोशी को सौंपी गई है, लेकिन जरूरत इस बात की है कि न केवल परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने, यरिक व्यापक शैक्षिक सुधारों के प्रति ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ सरकार कदम आगे बढ़ाए। इसके अलावा, आंदोलन और विरोध प्रदर्शन को लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का स्वाभाविक हिस्सा मानते हुए सरकार अब आगे परीक्षाओं के आयोजन में सभी स्तर पर शुचिता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के मामले में कोई समझौता न करे।

हादसे का सबक

हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति में उदयपुर- पांगी सड़क मार्ग पर चट्टानों के गिरने से एक वाहन में सवार तेरह लोगों की मौत की घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या पहाड़ों की पारिस्थितिकी एवं संवेदनशीलता पर गहरी समझ के बिना निर्माण और अन्य तरह की विकासात्मक गतिविधियों को रफ्तार देना उचित है। क्या यह जरूरी नहीं है कि पर्यावरण के साथ संतुलन बना कर ही विकास कार्यों की योजनाएं तैयार की जानी चाहिए? कायदे से होना तो यही चाहिए कि पहाड़ों को खोदकर जो सड़कें बनाई जाती हैं संबंधित विभाग उनकी नियमित निगरानी करें और संभावित जोखिमों को लेकर आम लोगों को पहले से सतर्क कर दिया जाए। मगर ऐसा अमूमन कम ही होता है, जिस कारण खासकर बरसात के दिनों में इस तरह के हादसे होते रहते हैं। सवाल है कि इस हादसे में जिन लोगों की जान गई, उसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा ? सरकारी दस्तावेज में भले ही इसे हर बार की तरह प्राकृतिक घटना के रूप में दर्ज किया जाएगा, लेकिन असल में यह पहाड़ों की प्रकृति से छेड़छाड़ का ही नतीजा है। गौरतलब है कि बीते शुक्रवार को यह हादसा उस वक्त हुआ, जब कुछ लोग एक वाहन में सवार होकर कुल्लू से किलाड़ जा रहे थे। खबरों के मुताबिक, जिस सड़क मार्ग पर यह हादसा हुआ, वह जगह-जगह भूस्खलन के दो दिन बाद खोला गया था। सवाल है कि क्या संबंधित विभाग के अधिकारियों ने संभावित जोखिम का आकलन किए बिना ही इस मार्ग पर यातायात की अनुमति दे दी थी ? यह जानते हुए कि बरसात के दिनों में पहाड़ी क्षेत्र में भूस्खलन का खतरा बना रहता है, इसके बावजूद अगर सुरक्षा मानकों पर ध्यान नहीं दिया जाए, तो इसे लापरवाही नहीं तो और क्या कहा जाएगा। पहाड़ों की प्रकृति को नजरअंदाज कर विकास कितना नुकसानदेह हो सकता है, यह अब कोई छिपी बात नहीं है। भू-वैज्ञानिकों के मुताबिक, अवैज्ञानिक तरीके से निर्माण कार्यों और पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से पहाड़ों की अंदरूनी संरचना कमजोर हो रही है। ऐसे में जरूरी है कि विकास कार्यों में पर्यावरण के पहलू को केंद्र में रखा जाए, ताकि पारिस्थितिकी तंत्र के साथ-साथ जान- माल की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके।

मारपीट, लूट और फिर पुलिस पर सवाल: पहले आरोपियों को छोड़ दिया, तीन दिन बाद 'अज्ञात' के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली???

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में ट्रेवल्स व्यवसायी के साथ हुई कथित मारपीट और लूट की घटना के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गई है। पीड़ित का आरोप है कि 12 से 15 युवकों ने बीच सड़क पर हमला कर उसका हाथ तोड़ दिया, 15 हजार रुपए और सोने की चेन लूट ली। बावजूद इसके पुलिस ने तत्काल लूट और गंभीर हमले का मामला दर्ज करने के बजाय आरोपियों को शांति भंग की कार्रवाई में पाबंद कर छोड़ दिया। तीन दिन बाद एफआईआर दर्ज की गई, जिसमें आरोपियों को अज्ञात बताया गया।

पीड़ित पुष्पेंद्र सिंह पुत्र शिव सिंह, निवासी झल्लारा ने मीडिया को बताया कि 23 जुलाई की रात करीब 8:10 बजे वह न्यू आरटीओ स्थित अपने ट्रेवल्स कार्यालय से कार लेकर घर लौट रहे थे। शोभागपुरा स्थित सेरेमनी रिसोर्ट तिराहे के पास एक स्कॉर्पियो (RJ 37 TA 1381) और थार (RJ 13 CF 6506) ने उनकी कार को ओवरटेक कर रोक लिया। दोनों वाहनों में सवार 12 से 15 युवकों ने कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए उनके साथ बेरहमी से मारपीट की।

पीड़ित के अनुसार हमलावरों ने कार में रखे 15 हजार रुपए निकाल लिए और छीना-झपटी के दौरान गले से सोने की चेन भी छीन ली। मारपीट इतनी गंभीर थी कि उनका हाथ फ्रैक्चर हो गया। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने पुलिस सहायता के लिए 100 नंबर पर कॉल करने का प्रयास किया तो आरोपियों ने मोबाइल छीनकर और अधिक मारपीट की तथा धमकी दी कि "पुलिस हमारे पास आती है, हम पुलिस के पास नहीं जाते।"

पुलिस की कार्रवाई पर उठे गंभीर प्रश्न

पीड़ित का आरोप है कि घटना के दिन ही सुखेर थाने में शिकायत देने के बावजूद पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की। अगले दिन 24 जुलाई को पुलिस ने कथित आरोपियों को प्रतिबंधात्मक कार्रवाई (धारा 151) के तहत पाबंद कर छोड़ दिया। इसके बाद 25 जुलाई की शाम करीब 6 बजे एफआईआर दर्ज की गई, लेकिन उसमें आरोपियों को अज्ञात दर्शाया गया।

मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर तीन प्रमुख सवाल उठ रहे हैं

घटना के तुरंत बाद शिकायत मिलने के बावजूद एफआईआर दर्ज करने में लगभग तीन दिन की देरी क्यों हुई? गंभीर मारपीट, फ्रैक्चर और नकदी-चेन छीने जाने के आरोपों के बावजूद प्रारंभिक कार्रवाई प्रतिबंधात्मक धाराओं तक ही क्यों सीमित रही? जिन लोगों को पहले पाबंद किया गया, बाद में दर्ज एफआईआर में उन्हें अज्ञात क्यों बताया गया?

जांच अधिकारी का जवाब

मामले की जांच कर रहीं एएसआई आशा ने दैनिक भास्कर को बताया कि संबंधित व्यक्तियों को पाबंद कर छोड़ा गया था। उनका कहना है कि अब एफआईआर दर्ज हो चुकी है और जांच के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। हालांकि पहले आरोपियों को छोड़ने और बाद में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज करने के संबंध में उन्होंने स्पष्ट जवाब नहीं दिया। घटना के बाद यह मामला केवल मारपीट और लूट तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पुलिस की प्रारंभिक कार्रवाई और विवेचना की प्रक्रिया पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। यदि पीड़ित के आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह जांच का विषय होगा कि समय पर उचित धाराओं में मुकदमा दर्ज क्यों नहीं किया गया और आरोपियों की पहचान को लेकर विरोधाभास क्यों सामने आया।

करुणा, श्रद्धा और सत्य ही धर्ममय जीवन का आधार: आचार्य मुक्तिसागर सूरीश्वर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 जुलाई। तपागच्छ की उद्गम स्थली आयड़ जैन तीर्थ में मालव मार्तंड आचार्य मुक्तिसागर सूरीश्वर महाराज एवं आचार्य अचलमुक्ति सागर सूरीश्वर महाराज सहित ठाणा-4 के चातुर्मास के शुभारंभ के साथ अगले चार माह तक धर्म, तप और साधना की गंगा प्रवाहित होगी। अपने प्रथम मांगलिक प्रवचन में आचार्य मुक्तिसागर सूरीश्वर महाराज ने कहा कि "परमात्मा को वही जीवन प्रिय है, जिसमें करुणा से भरी आंखें, श्रद्धा से झुका हुआ मस्तक, सेवा में तत्पर हाथ, सन्मार्ग पर चलते कदम और सत्य बोलने वाली वाणी हो।" महासभा के महामंत्री कुलदीप नाहर ने बताया कि आचार्यश्री ने प्रवचन में कहा कि गुरु ज्ञान देते हैं, पिता संघर्ष करना सिखाते हैं, माता संस्कारों का पाठ पढ़ाती हैं, जबकि समय, संसार और परिस्थितियां जीवन के महत्वपूर्ण अनुभव प्रदान करती हैं। यदि व्यक्ति इन मूल्यों को जीवन में आत्मसात कर ले तो उसका जीवन स्वतः धर्ममय और सफल बन जाता है। चातुर्मास के दौरान आयड़ जैन तीर्थ में विशेष आराधना, तपस्या, साधना, प्रवचन, धार्मिक अनुष्ठान एवं विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा, जिनका लाभ बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर कुलदीप नाहर, भोपाल सिंह नाहर, अशोक जैन, संजय खाब्या, भोपाल सिंह परमार, सतीश कच्छारा, चतर सिंह पामेचा, राजेंद्र जवेरिया, अंकुर मुर्डिया, पिन्टू चौधरी, हर्ष खाब्या, गजेंद्र खाब्या, नरेंद्र सिरोया, राजू पंजाबी, रमेश मारू, सुनील पारख, पारस पोखरना, प्रकाश नागौरी, दिनेश बापना, अभय नलवाया, कैलाश मुर्डिया, गोवर्धन सिंह बोल्या, दिनेश भंडारी, रविंद्र बापना, चिमनलाल गांधी, प्रद्योत महात्मा, रमेश सिरोया और कुलदीप मेहता सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मुकेश के अमर गीतों से गूंजा अटल सभागार, 103वीं जयंती पर सजी यादगार संगीतमय शाम

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 जुलाई। श्री चित्रगुप्त सभा (माथुर) उदयपुर ने महान पार्श्वगायक स्व. मुकेश चंद माथुर की 103वीं जयंती पर हिरण मगरी स्थित अटल सभागार में "मुकेश नाइट—गीतों भरी शाम" का आयोजन किया। कार्यक्रम में समाज के 28 से अधिक कलाकारों ने मुकेश के सदाबहार गीत प्रस्तुत कर समां बांध दिया। इस दौरान सभा की 'पारिवारिक निर्देशिका-2026' का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री चित्रगुप्त जी एवं स्व. मुकेश के चित्र पर पुष्पांजलि, दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण से हुआ। सभा अध्यक्ष भुवनेश्वर माथुर ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य मुकेश की संगीत विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाना और समाज को एक सूत्र में जोड़ना है। मुख्य सचिव दिनेश माथुर ने सभी कलाकारों, कार्यकारिणी और समाजजनों का आभार जताया। संगीत संध्या में नरेंद्र माथुर, धर्मिष्ठ, राजीव, सुधीर, सतीश-अनुपमा, जगदीश नारायण, श्यामलाल, रजनी-रविन्द्र, ज्ञानेश, अमित, सुधा, कुलदीप, अमर, विकास-श्रेया, सीमा, चित्रांश, तिलकेश, युगल, मोहित, प्रीति, अनुराधा, प्रीति, सीमा-पियूष, वीरेंद्र, युगल, मूमल, गौरव, चंद्रकला, पूजा, लक्ष्मी और विजय सहित कलाकारों ने मुकेश के लोकप्रिय गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का संचालन राजकुमार माथुर, योगिता माथुर और अनुवाक माथुर ने किया। समाज की मातृशक्ति के सामूहिक गीतों के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

1031 साधकों ने रचा आध्यात्मिक इतिहास, उदयपुर में 1008 सामायिक महोत्सव बना आत्मशुद्धि का विराट संगम

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 जुलाई। साधुमार्गी जैन संघ की पावन साधना स्थली एवं आचार्य नानालाल महाराज के पाट पर विराजित वर्तमान आचार्य रामलाल महाराज की आचार्य पदारोहण स्थली पौषधशाला में रविवार को आयोजित '1008 सामायिक-आत्मशुद्धि महोत्सव' आध्यात्मिक अनुशासन, साधना और आत्मचिंतन का ऐतिहासिक साक्षी बना। महोत्सव में 1031 श्रावक-श्राविकाओं ने सामूहिक सामायिक कर आत्मशुद्धि की आराधना करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया। साधुमार्गी जैन संघ के अध्यक्ष सागर गोलछा ने बताया कि पूरे आयोजन की सबसे विशेष बात यह रही कि सामूहिक सामायिक बिना बिजली, पंखे और मोबाइल के पूर्ण एकाग्रता एवं अनुशासन के साथ संपन्न हुई। इससे साधकों ने आत्मसंयम, मौन और ध्यान की वास्तविक अनुभूति प्राप्त की। महोत्सव में इंदौर से पधारे रामामृतम् ध्यान प्रकल्प के राष्ट्रीय संयोजक मनीष बोहरा के सानिध्य में विशेष रामामृतम् ध्यान साधना का आयोजन हुआ। उनकी ध्यान पद्धति से साधकों ने आत्मिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक आनंद का अनुभव किया। यह विशेष आयोजन वीर पिता सुनील मेहता के आवाहन पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर शासन दीपिका सुशीला कंवरजी महाराज का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। उन्होंने नवदीक्षिता श्री राम कर्णिका श्रीजी महाराज की गुप्त दीक्षा के अनुमोदन में प्रेरक उद्बोधन देकर श्रद्धालुओं को धर्म, संयम और साधना के मार्ग पर अग्रसर होने का संदेश दिया। सागर गोलछा ने कहा कि यह आयोजन साधुमार्गी जैन संघ के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज रहेगा। कार्यक्रम की सफलता में समता महिला मंडल, समता युवा संघ और समता बहू मंडल का उल्लेखनीय योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन संघ के मंत्री आशीष सहलोत ने किया।

कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 जुलाई। जिले में 12 एवं 13 अगस्त को फतेहसागर की पाल एवं सहेलियों की बाड़ी में आयोजित होने वाले हरियाली अमावास्या मेले के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन के लिए कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किए हैं। जिला मजिस्ट्रेट गौरव अग्रवाल ने आदेश जारी कर तहसीलदार उदयपुर विकास प्राधिकरण रमेश राजपुरोहित को फतहसागर की पाल एवं तहसीलदार गिर्वा गणेश कुमार विजयवर्गीय को सहेलियों की बाड़ी पर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाएं रखने हेतु कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है।

सेवा महातीर्थ में 29 को गुरु पूर्णिमा महोत्सव

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 जुलाई। नारायण सेवा संस्थान के लियों का गुड़ा स्थित सेवा महातीर्थ परिसर में बुधवार को गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनेगा। महोत्सव का आयोजन अपराह्न 3 बजे से होगा। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि संस्थान के संस्थापक पद्मश्री अलंकृत कैलाश 'मानव' का वंदन-अभिनंदन कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किए जाएगा तथा वे दिव्यांगजन को उपहार स्वरूप फल और खिलौने भी वितरित करेंगे। भगवान महर्षि वेदव्यास का विधि-विधान से पूजन भी होगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए संस्थान के सहयोगी, शाखा प्रभारी, नि:शुल्क सर्जरी एवं कृत्रिम अंग प्राप्त करने आए दिव्यांगजन तथा उनके परिजन बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

AI से ड्रोन तक... बदलते अपराधों पर पैनी नजर रखें, जनविश्वास ही सबसे बड़ी ताकत: डीजीपी राजीव शर्मा

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 27 जुलाई। राजस्थान पुलिस के भावी नेतृत्व को आधुनिक पुलिसिंग की चुनौतियों के लिए तैयार करते हुए पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि आज पुलिसिंग केवल पारंपरिक अपराधों तक सीमित नहीं रह गई है। साइबर क्राइम, ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित अपराध, ड्रोन ड्रॉपिंग और सीमावर्ती सुरक्षा जैसे नए खतरे पुलिस के सामने बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं। ऐसे में अधिकारियों को तकनीकी रूप से दक्ष, पारदर्शी और संवेदनशील बनकर काम करना होगा।

राजस्थान पुलिस मुख्यालय में सोमवार को सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एनपीए), हैदराबाद में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 25 प्रोबेशनर आईपीएस अधिकारियों के साथ आयोजित संवाद सत्र में डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि बदलते अपराध परिदृश्य को समझना और समय के साथ स्वयं को लगातार अपडेट रखना प्रभावी पुलिसिंग की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस का प्रत्येक निर्णय और कार्रवाई कानूनसम्मत, निष्पक्ष, जवाबदेह और जनहित केंद्रित होनी चाहिए, क्योंकि सरकार के साथ-साथ आमजन की नजर भी पुलिस की कार्यप्रणाली पर रहती है। उन्होंने अधिकारियों से राजस्थान पुलिस की उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों का अध्ययन कर अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी, पारदर्शिता, संवेदनशीलता और सेवा भाव के साथ जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। डीजीपी ने नए आपराधिक कानूनों' भारतीय न्याय संहिता (BNS), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम'का गहन अध्ययन कर उनके अनुरूप प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। एनपीए के डीआईजी अजीत प्रताप सिंह के नेतृत्व में स्टडी टूर पर पहुंचे प्रोबेशनर आईपीएस अधिकारियों ने संवाद के दौरान आधुनिक पुलिसिंग, नेतृत्व, समन्वय और भविष्य की चुनौतियों पर अपने अनुभव साझा किए तथा वरिष्ठ अधिकारियों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस अवसर पर अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एम.एन., वी.के. सिंह, एस. सेंगाथिर, संजीव नार्जरी सहित पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। संवाद सत्र में भविष्य की पुलिसिंग को तकनीक, कानून और जनविश्वास के समन्वय से अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष बल दिया गया।

32 हजार रुपये में नाबालिग बच्ची की खरीद-फरोख्त के आरोपियों की अवैध संपत्ति पर चला पुलिस और प्रशासन का हथौड़ा

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 27 जुलाई। राजस्थान सरकार की महिला सुरक्षा को लेकर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अजमेर पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने मिलकर अपराधियों के खिलाफ़ बड़ी और सख्त कार्रवाई की है। जिले के थाना दरगाह क्षेत्र में एक नाबालिग मासूम बच्ची को 32 हजार रुपये में बेचने/ खरीद-फरोख्त करने के गंभीर मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपियों की अवैध रूप से अर्जित अचल संपत्तियों और अतिक्रमणों को ध्वस्त करने का काम शुरू कर दिया गया है।

महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा के प्रदेशव्यापी कड़े निर्देशों की पालना में यह सीधी कार्रवाई की जा रही है। डीजीपी के आदेश स्पष्ट हैं कि महिला एवं बाल अपराधों में संलिप्त अपराधियों को केवल जेल ही नहीं भेजा जाएगा, बल्कि अपराध के जरिए बनाई गई उनकी अवैध संपत्तियों और अवैध निर्माणों पर भी कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

अजमेर पुलिस का बड़ा एक्शन और मौके पर भारी जाब्ता

अजमेर जिला पुलिस अधीक्षक श्री हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशन में दरगाह थाना पुलिस एवं प्रशासनिक टीम ने प्रकरण संख्या 104/ 2026 के आरोपियों के रिकॉर्ड खंगालने के बाद उनके ठिकानों पर बुलडोजर और हथौड़े चलाने की प्रक्रिया शुरू की।

कार्रवाई के दौरान मौके पर शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है। मौके पर पुलिस उपाधीक्षक लक्ष्मणराम, दरगाह थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह सहित पुलिस और नगर निगम/ प्रशासनिक अधिकारी खुद मौजूद रहकर अवैध निर्माणों को गिराने की कार्यवाही को अंजाम दे रहे हैं।

इन दो मुख्य महिला अपराधियों पर हुई कार्रवाई

प्रकरण में शामिल दो प्रमुख महिला आरोपियों अफसाना उर्फ बिजली (36) पत्नी मोहम्मद जावेद मूल निवासी मेदिनीपुर (पश्चिम बंगाल), हाल निवासी अन्दरकोट थाना दरगाह व हाल गली नंबर 17, लोंगिया मोहल्ला थाना गंज, अजमेर और आफरीन उर्फ नूरजहां (36) पत्नी साबिर निवासी झरनेश्वर मंदिर के पास, अन्दरकोट थाना दरगाह, अजमेर के खिलाफ चल-अचल संपत्तियों की जांच कर यह सीधी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) 2023 की धारा 107 के तहत कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। इसके अंतर्गत आरोपियों द्वारा अपराध से अर्जित संपत्तियों, उनके बैंक खातों और अवैध कब्जों का ब्योरा जुटाया गया है। संबंधित प्रशासनिक विभागों से समन्वय स्थापित कर उनके द्वारा सार्वजनिक भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमणों और बिना स्वीकृति बने ढांचों को नियमानुसार ध्वस्त और जब्त किया जा रहा है। अपराधियों को राजस्थान पुलिस का कड़ा संदेश अजमेर पुलिस की इस त्वरित और कठोर कार्रवाई के जरिये राजस्थान पुलिस ने पूरे प्रदेश में एक बेहद स्पष्ट संदेश दिया है राजस्थान की धरती पर महिला या बाल अपराध करने वाले किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। अपराध करने वालों को न केवल कानून की सख्त सजा मिलेगी, बल्कि अपराध की काली कमाई से बनाए गए उनके साम्राज्य को भी नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा।

सिर्फ क्रेटा पर था गैंग का निशाना! 5 मिनट में सिस्टम हैक, डुप्लीकेट KEY से करते थे स्टार्ट; 2 गिरफ्तार, मास्टरमाइंड फरार

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़, 27 जुलाई। चित्तौड़गढ़ पुलिस ने केवल हुंडई क्रेटा कारों को निशाना बनाने वाले अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। गिरोह के सदस्य कार का शीशा तोड़कर अत्याधुनिक डिवाइस से पुश-बटन स्टार्ट सिस्टम हैक करते थे और महज 5 मिनट में डुप्लीकेट की-कोड बनाकर कार लेकर फरार हो जाते थे। पुलिस ने गिरोह के दो सदस्यों को गुजरात के अहमदाबाद से गिरफ्तार किया है, जबकि मास्टरमाइंड मोहसिन उर्फ सोनू अभी फरार है। एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि 11 जुलाई को राकेश माहेश्वरी ने कोतवाली थाने में अपनी 20 लाख रुपए से अधिक कीमत की क्रेटा चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच के दौरान पुलिस ने घटना स्थल से लेकर बांसवाड़ा, इंदौर, अहमदाबाद और महाराष्ट्र तक के 350 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसके बाद गिरोह तक पहुंच बनाई गई। पुलिस के अनुसार गिरोह के पास क्रेटा के पुश-बटन स्टार्ट सिस्टम को हैक करने वाला विशेष सॉफ्टवेयर और टैबलेट जैसा इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस था। आरोपी पहले कार का शीशा तोड़ते, फिर सेंसर और लॉकिंग सिस्टम हैक कर डुप्लीकेट की-कोड फीड करते और कुछ ही मिनटों में कार स्टार्ट कर ले जाते। इसके बाद रास्ते में मौजूद साथी चोरी की कार रिसीव कर उसे दूसरे राज्यों में बेचने के लिए ले जाते थे। पुलिस ने सरफराज (32) और दीपक (24) निवासी अहमदाबाद को गिरफ्तार कर तीन चोरी की क्रेटा कारें बरामद की हैं। पूछताछ में सामने आया कि गिरोह ने अब तक चित्तौड़गढ़, कोटा, टोंक, उज्जैन और देवास सहित विभिन्न शहरों से 6 क्रेटा कारें चुराई हैं। सरफराज कबाड़ी का काम करता है, जबकि दीपक डिफॉल्टर वाहनों की खरीद-फरोख्त से जुड़ा हुआ है। पुलिस अब फरार मास्टरमाइंड मोहसिन उर्फ सोनू और उसके अन्य साथियों की तलाश में जुटी है। शुरुआती जांच में गिरोह के राजस्थान, मध्यप्रदेश और गुजरात तक फैले नेटवर्क के संकेत मिले हैं।

चाकू से हमला, युवक घायल; सूरजपोल थाना पुलिस ने दर्ज किया हत्या के प्रयास का मामला

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 जुलाई। शहर के पारस चौराहे पर एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। सूरजपोल थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सोयब शेख (32) पुत्र मोहम्मद सिराज, निवासी जरीना नगर कच्ची बस्ती, थाना सूरजपोल, पर आरोप है कि उसने 25 जुलाई 2026 की रात करीब 9 बजे पारस चौराहे पर मुस्तफा पुत्र मुनीर, निवासी गोशिया कॉलोनी, पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में मुस्तफा के पैर में चाकू लगने से वह घायल हो गया। सूरजपोल थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 109(1), 115(2) एवं 126(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की विवेचना पुलिस कर रही है।

कोयला भट्टी कांड में बर्खास्त पटवारी का दर्द: "बस आत्महत्या नहीं की..." अब हड़ताल की चेतावनी

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा, 27 जुलाई। भीलवाड़ा के चर्चित कोयला भट्टी कांड में कार्रवाई के तहत तत्कालीन पटवारी हरदेव बैरवा को सरकारी सेवा से बर्खास्त किए जाने के बाद मामला तूल पकड़ गया है। बर्खास्तगी के बाद हरदेव बैरवा ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर दावा किया कि जांच में तहसील और उपखंड प्रशासन ने उन्हें निर्दोष माना था, लेकिन इसके बावजूद बिना ठोस आधार के उनकी नौकरी छीन ली गई। उन्होंने भावुक होकर कहा, "मैंने बस आत्महत्या ही नहीं की, बाकी सब कुछ झेल लिया।"

जानकारी के अनुसार, 2 अगस्त 2023 को हुए कोयला भट्टी कांड के लगभग तीन साल बाद राज्य सरकार ने 22 जुलाई 2026 को हरदेव बैरवा को सेवा से बर्खास्त करने का आदेश जारी किया। बैरवा का कहना है कि घटना के बाद

वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया था, अतिक्रमण भी हटाया गया था और जांच में उन्हें क्लीन चिट मिली थी।

पटवारी ने बताया कि 13 दिसंबर 2025 को उन्हें हार्ट अटैक आया था, जिसके बाद उदयपुर में स्टेंट डलवाना पड़ा। स्वास्थ्य लाभ के बाद 1 जून 2026 को उनकी नई पोस्टिंग हुई, लेकिन दो महीने के भीतर ही बर्खास्तगी का आदेश मिल गया। आदेश की जानकारी मिलने के बाद उनकी तबीयत फिर बिगड़ गई।

इस कार्रवाई के विरोध में राजस्थान कानूनगो एवं पटवार संघ और कर्मचारी अधिकारी विकास संस्थान खुलकर सामने आ गए हैं। संघ ने कार्रवाई को एकतरफा और अन्यायपूर्ण बताते हुए सोमवार को जिलेभर के उपखंड मुख्यालयों पर प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने बर्खास्तगी के फैसले पर पुनर्विचार नहीं किया तो बुधवार से जिलेभर के पटवारी और कानूनगो पूर्ण कार्य बहिष्कार कर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठ जाएंगे। संघ का कहना है कि इससे प्रभावित होने वाले राजस्व कार्यों और आमजन की असुविधा की जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

लाउड म्यूजिक और नो-पार्किंग से फैलाया उपद्रव, सुखेर थाने में दो के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 जुलाई। शहर के नवरत्न भुवाणा क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर लाउड म्यूजिक बजाकर और नो-पार्किंग में वाहन खड़े कर लोगों को परेशान करने के मामले में सुखेर थाना पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार प्रमिला डोडिया, पत्नी महेन्द्र सिंह सिसोदिया, निवासी किशोर विला, देवी नगर, नवरत्न भुवाणा की रिपोर्ट पर राजदुलारी, पत्नी उदयप्रकाश गिरी, तथा उदयप्रकाश गिरी, पुत्र जोगगिरी, दोनों निवासी 14-ए, देवी नगर, संस्कार-2 के पास, नवरत्न भुवाणा, के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। रिपोर्ट में आरोप है कि आरोपियों ने नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़े किए, तेज आवाज में लाउड म्यूजिक बजाया तथा सार्वजनिक उपद्रव (न्यूसेन्स) उत्पन्न किया, जिससे आसपास के लोगों को परेशानी हुई। सुखेर थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 285 एवं 293 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तलवार से केक काटकर रील बनाना पड़ा भारी, हिस्ट्रीशीटर शोएब लाला गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़, 27 जुलाई। सोशल मीडिया पर सार्वजनिक स्थान पर तलवार लहराते हुए केक काटने की रील वायरल कर दहशत फैलाने के आरोप में चित्तौड़गढ़ पुलिस ने निम्बाहेड़ा के हिस्ट्रीशीटर शोएब लाला को गिरफ्तार किया है। संयुक्त कार्रवाई कपासन, कोतवाली निम्बाहेड़ा, सदर निम्बाहेड़ा थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने की। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के विशेष अभियान के तहत सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के दौरान इंस्टाग्राम आईडी SHOAI-BLALA7777NIMBAHERA से 11 जुलाई को अपलोड की गई रील सामने आई। वीडियो में कपासन दरगाह के बाहर सार्वजनिक स्थान पर शोएब लाला नंगी धारदार तलवार लहराते हुए उसी तलवार से केक काटता दिखाई दिया, जबकि आसपास मौजूद लोग शोर मचाकर उसका उत्साह बढ़ा रहे थे। जांच में आरोपी की पहचान शोएब लाला पुत्र डेरान खां, निवासी केंची चौराहा, हाल आदर्श कॉलोनी, निम्बाहेड़ा के रूप में हुई, जो कोतवाली निम्बाहेड़ा थाने का हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने सोशल मीडिया पर दबदबा और दहशत बनाने के उद्देश्य से वीडियो वायरल किया था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार शोएब लाला के खिलाफ राजस्थान और मध्यप्रदेश के विभिन्न थानों में हत्या, हत्या के प्रयास, एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट, लूट, मारपीट और राजकार्य में बाधा सहित 14 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि वह निम्बाहेड़ा क्षेत्र में "लाला गैंग" संचालित करता है, जिस पर व्यापारियों को धमकाकर वसूली और क्षेत्र में भय का माहौल बनाने के आरोप हैं। कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेंद्र सिंह जोधा और वृताधिकारी हरीश भारती के निर्देशन में हुई। अभियान में थानाधिकारी सुनील शर्मा, प्रवीण टांक, संजय शर्मा, डीएसटी के एएसआई सूरज कुमार सहित कपासन, कोतवाली एवं सदर निम्बाहेड़ा थाना पुलिस की संयुक्त टीम शामिल रही।

54.79 ग्राम गांजे के साथ युवक गिरफ्तार, भूपालपुरा थाना पुलिस की कार्रवाई

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 जुलाई। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान के तहत भूपालपुरा थाना पुलिस ने एक युवक को 54.79 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से गांजा बरामद कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार उपनिरीक्षक उमेश चंद्र, थाना भूपालपुरा की ओर से की गई कार्रवाई में विशाल मंडल उर्फ मोटा (21) पुत्र लालजी मंडल, निवासी रेलवे फाटक के पास, खेमपुरा, थाना प्रतापनगर, जिला उदयपुर को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से सफेद प्लास्टिक की थैली में रखा 54.79 ग्राम गांजा बरामद हुआ। इलेक्ट्रॉनिक कांटे से तौलने पर थैली सहित कुल वजन 54.79 ग्राम पाया गया, जिसे जब्त कर लिया गया। भूपालपुरा थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (NDPS Act) की धारा 8/ 20 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यह हादसा नहीं, मेरी बेटी की हत्या है : पिता ने कलेक्टर से लगाई न्याय की गुहार

24 न्यूज अपडेट

सलूंबर। सलूंबर जिले के सेरिया उमरिया फला निवासी तेजाराम मीणा ने अपनी बेटी पुष्पा मीणा की मौत को सड़क दुर्घटना मानने से इनकार करते हुए इसे हत्या करार दिया है। उन्होंने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर हत्या का मुकदमा दर्ज करने, निष्पक्ष जांच कराने और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। ज्ञापन में तेजाराम मीणा ने आरोप लगाया कि पुष्पा की शादी लकापा निवासी नाथूलाल से हुई थी। विवाह के बाद से ही पति और ससुराल पक्ष दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करते थे। उनका दावा है कि पहले भी मारपीट कर पुष्पा को घर से निकाल दिया गया था और ₹1 लाख की मांग की गई थी। समाज की समझाइश के बाद वह दोबारा ससुराल गई, लेकिन कथित उत्पीड़न जारी रहा। तेजाराम मीणा के अनुसार 16 जुलाई को ससुराल पक्ष से फोन कर पूछा गया कि क्या पुष्पा हर आई है। कुछ समय बाद सूचना मिली कि उसका शव राणापूंजा चौक के आगे बांसवाड़ा रोड पर मिला है। पिता का आरोप है कि अस्पताल की मोर्चरी में शव पर कई चोटों के निशान दिखाई दिए, जिससे उन्हें आशंका है कि पहले हत्या की गई और बाद में मामले को सड़क हादसे का रूप देने का प्रयास किया गया। परिजनों ने पुलिस से आरोपियों की कॉल डिटेल, मोबाइल लोकेशन और पूरे मामले की दोबारा निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। तेजाराम मीणा का कहना है कि उन्होंने शुरुआत से ही हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की थी, लेकिन उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सात दिन के भीतर निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो समाज के लोगों के साथ धरना-प्रदर्शन और आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान पूर्व प्रधान देवीलाल, रोडिलड़ी सरपंच कालूलाल, पूर्व सरपंच रमेश, एडवोकेट रमेश डामोर, लक्ष्मीलाल, लालूराम, शंकर अहारी, जगदीश दायमा, दीपक बरगोट सहित सेरिया, आघाटिया, प्रतापुरा, आजादपुरा, मिनवाड़ा और टोडा गांवों के बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

निकाय और पंचायत चुनाव विधानसभा-लोकसभा की नींव, कांग्रेस अभी से जुटे: रघुवीर सिंह मीणा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर देहात जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक रविवार को सूरजपोल स्थित जिला कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में आगामी निकाय एवं पंचायत चुनावों की रणनीति, संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा और भविष्य के कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष रघुवीर सिंह मीणा ने कहा कि स्थानीय निकाय और पंचायत चुनाव आगामी विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव की मजबूत नींव हैं, इसलिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अभी से पूरी सक्रियता के साथ मैदान में उतरना होगा। मीडिया प्रभारी दिनेश औदिच्य ने बताया कि बैठक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार आयोजित की गई। रघुवीर सिंह मीणा ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस द्वारा दिए जाने वाले कार्यक्रमों की प्रगति पर लगातार नजर रखी जाती है और कार्यकर्ताओं की सक्रियता की रिपोर्ट सीधे पीसीसी वॉर रूम तक पहुंचती है। उन्होंने कहा कि सक्रिय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संगठन और चुनावों में प्राथमिकता दी जाएगी। बैठक में भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए रघुवीर सिंह मीणा ने आरोप लगाया कि प्रदेश में विकास कार्य ठप पड़े हैं। उन्होंने कहा कि निकाय और पंचायत चुनाव समय पर नहीं होने से स्थानीय निकायों को केंद्र से मिलने वाली करोड़ों रुपए की अनुदान राशि प्रभावित हुई, जिससे गांवों और शहरों के विकास कार्य बाधित हुए। उन्होंने दावा किया कि न्यायालय की दखल के बाद चुनाव की प्रक्रिया आगे बढ़ना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव लाल सिंह झाला ने भी पदाधिकारियों से स्थानीय निकाय चुनावों में संगठनात्मक भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया। वहीं उदयपुर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहे ताराचंद मीणा ने नगर निगम, नगरपालिकाओं, पंचायत समितियों और जिला परिषद चुनाव लड़ने के इच्छुक कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में जनसंपर्क और संवाद तेज करने की बात कही। बैठक में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस और अगस्त क्रांति दिवस (भारत छोड़ो आंदोलन) के अवसर पर जिला स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय भी लिया गया। इस दौरान भूमि विकास बैंक के नवनियुक्त अध्यक्ष मथुरेश नागदा का उपरणा ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

निकाय-पंचायत चुनाव के लिए भाजपा ने भरी हुंकार, राजेंद्र राठौड़ बोले- हर बूथ पर जीत का लक्ष्य

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 जुलाई। आगामी नगरीय निकाय और पंचायती राज चुनावों की तैयारियों को लेकर भाजपा उदयपुर देहात ने संगठनात्मक गतिविधियां तेज कर दी हैं। बलिचा स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित बैठक में पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं संभाग चुनाव प्रभारी राजेंद्र राठौड़ ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान करते हुए कहा कि हर बूथ पर जीत सुनिश्चित करने की रणनीति के साथ मैदान में उतरना होगा। उन्होंने संत रविदास को सामाजिक समरसता का प्रणेता बताते हुए उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का भी आह्वान किया। भाजपा उदयपुर देहात जिलाध्यक्ष पुष्कर तेली की अध्यक्षता तथा कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी के विशिष्ट आतिथ्य में हुई बैठक में संगठनात्मक कार्यक्रमों, तिरंगा यात्रा और संत रविदास की 650वीं जयंती वर्ष के आयोजनों के साथ चुनावी तैयारियों की समीक्षा की गई। राठौड़ ने कहा कि डबल इंजन सरकार की विकास योजनाओं को घर-घर पहुंचाने के साथ जमीनी और कैडर आधारित कार्यकर्ताओं को चुनाव में अवसर दिया जाए तथा प्रत्येक पंचायत समिति स्तर पर प्रभावी कोर टीम गठित की जाए। कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर माइक्रो मैनेजमेंट और व्यापक जनसंपर्क के जरिए हर बूथ पर कमल खिलाने का लक्ष्य लेकर काम करना होगा। वहीं जिलाध्यक्ष पुष्कर तेली ने कहा कि "हर कार्यकर्ता के लिए काम और हर काम के लिए कार्यकर्ता" के मंत्र के साथ चुनावी अभियान संचालित किया जाएगा। बैठक में डॉ. चंद्रगुप्त सिंह चौहान, तख्त सिंह शक्तावत, भंवर सिंह पंवार, प्रतापलाल गमेती, शांता देवी मीणा, नानालाल अहारी, कृष्णगोपाल पालीवाल, कन्हैयालाल मीणा, नरेंद्र मीणा, ललित सिंह सिसोदिया, नरेंद्र सिंह आसोलिया, चंद्रशेखर जोशी, दीपक शर्मा, घनश्याम मेनारिया, सोनल मीणा और शंकर खराड़ी सहित भाजपा पदाधिकारी, मोर्चा पदाधिकारी और अभियान संयोजक उपस्थित रहे।

विश्व हिंदू परिषद उदयपुर महानगर की नई कार्यकारिणी घोषित, संगठन विस्तार पर जोर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 जुलाई। विश्व हिंदू परिषद चित्तौड़ प्रांत की बैठक फतेहनगर में आयोजित हुई, जिसमें संगठन विस्तार और आगामी कार्ययोजना पर मंथन के साथ विश्व हिंदू परिषद उदयपुर महानगर के विभिन्न दायित्वों की घोषणा की गई। नवीन पदाधिकारियों की घोषणा प्रांत मंत्री कौशल गोड़ ने की। इस अवसर पर उन्होंने सभी पदाधिकारियों से संगठन की विचारधारा के अनुरूप समर्पण और सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। बैठक की जानकारी उदयपुर महानगर के प्रचार प्रमुख डॉ. चंद्रप्रकाश देखावत ने दी। घोषित दायित्वों के अनुसार गोपाल जी को विभाग मंत्री बनाया गया। गोपाल जी कोटिया और विनोद जी चित्तौड़ा को उपाध्यक्ष, सुशील जी जांगिड एवं गजेंद्र सिंह देवड़ा को सह मंत्री नियुक्त किया गया। वहीं पंकज जी गुज्जर, मनीष जी पटेल और हार्दिक जी भट्ट को सह संयोजक का दायित्व सौंपा गया। महिला इकाई में भावना वर्मा और कविता नागदा को मातृशक्ति सह संयोजिका, पूजा वर्मा को दुर्गावाहिनी संयोजिका तथा कुमारी पलक साहू को सह संयोजिका बनाया गया। इसके अलावा आलोक जी को सह सत्संग प्रमुख और भूपेंद्र गांधी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में विश्व हिंदू परिषद उदयपुर महानगर का संगठनात्मक विस्तार और सेवा गतिविधियां नई गति प्राप्त करेंगी। प्रांत मंत्री कौशल गोड़ ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद समाज सेवा, सांस्कृतिक जागरण और राष्ट्रहित के कार्यों के लिए समर्पित संगठन है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से अपने दायित्वों का निष्ठा, अनुशासन और संगठन भावना के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया।

पारस हेल्थ उदयपुर ने कैंसर उपचार की उन्नत सुविधाएं गिनाईं, विशेषज्ञों ने समय पर जांच और इलाज पर दिया जोर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 जुलाई। राजस्थान में कैंसर उपचार को अधिक सुलभ और आधुनिक बनाने की दिशा में पारस हेल्थ उदयपुर ने सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में अपने व्यापक मल्टी-डिसिप्लिनरी ऑन्कोलॉजी विभाग की विशेषताओं और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि मेडिकल, सर्जिकल और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी को एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराकर मरीजों को समग्र एवं मरीज-केंद्रित उपचार प्रदान किया जा रहा है। अस्पताल के फैसिलिटी डायरेक्टर अनुभव सुखवानी ने कहा कि पारस हेल्थ का उद्देश्य कैंसर मरीजों को उनके घर के नजदीक ही आधुनिक, समन्वित और विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि कैंसर के इलाज में केवल चिकित्सकीय विशेषज्ञता ही नहीं, बल्कि मरीज और उसके परिवार को निरंतर सहयोग एवं समग्र देखभाल भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। विभाग में डॉ. मनोज यू. महाजन (निदेशक, मेडिकल ऑन्कोलॉजी), डॉ. रेनू मिश्रा (प्रिंसिपल कंसल्टेंट, मेडिकल ऑन्कोलॉजी), डॉ. सचिन जैन (सीनियर कंसल्टेंट, मेडिकल ऑन्कोलॉजी), डॉ. रोनक जैन (कंसल्टेंट, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी), डॉ. सौरभ शर्मा (सीनियर कंसल्टेंट, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी) तथा डॉ. कीर्ति शिवहरे शर्मा (कंसल्टेंट, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी) की विशेषज्ञ टीम सेवाएं दे रही है। विशेषज्ञ मरीज की बीमारी के प्रकार, स्टेज और जटिलता के आधार पर संयुक्त रूप से उपचार योजना तैयार करते हैं। अस्पताल में कैंसर स्क्रीनिंग, कीमोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी, टारगेटेड थेरेपी, एडवांस्ड कैंसर सर्जरी, प्रिसिजन रेडिएशन थेरेपी, सपोर्टिव केयर और फॉलो-अप सेवाएं उपलब्ध हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि कैंसर का जल्द पता लगने और समय पर उपचार शुरू होने से मरीजों के स्वस्थ होने की संभावना और जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होता है। उन्होंने लोगों से नियमित स्वास्थ्य जांच और कैंसर के शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करने की अपील की।

राजस्थान की खेल पहचान को नई धार: किशन सोनवाल बने समुराई स्पोर्ट्स के पहले नेशनल रेफरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर/ जयपुर, 27 जुलाई। राजस्थान के मार्शल आर्ट्स जगत में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हुई है। प्रदेश के किशन सोनवाल ने समुराई स्पोर्ट्स में राजस्थान के पहले नेशनल रेफरी बनने का गौरव हासिल कर राज्य को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान दिलाई है। यह उपलब्धि न केवल व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि प्रदेश में तकनीकी खेल अधिकारियों की नई पीढ़ी के लिए भी प्रेरणादायी मील का पत्थर मानी जा रही है। ऑल इंडिया समुराई मार्शल आर्ट फेडरेशन ने 26 जुलाई 2026 को आयोजित समारोह में किशन सोनवाल को नेशनल रेफरी डिग्री एवं आधिकारिक प्रमाण-पत्र प्रदान किया। यह सम्मान फेडरेशन के संस्थापक एवं अध्यक्ष मनोज यादव ने प्रदान किया। इस मान्यता के साथ अब सोनवाल राष्ट्रीय स्तर की समुराई स्पोर्ट्स प्रतियोगिताओं में मैच रेफरी, तकनीकी अधिकारी (Technical Official), नियम पर्यवेक्षक और निर्णायक की जिम्मेदारियां निभाएंगे। समुराई स्पोर्ट्स की रेफरिंग केवल मुकाबलों का संचालन भर नहीं, बल्कि रूल इंटरप्रिटेशन, स्कोरिंग प्रोटोकॉल, फेयर-प्ले मॉनिटरिंग, तकनीकी मूल्यांकन और प्रतियोगिता की निष्पक्षता सुनिश्चित करने जैसी अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों से जुड़ी होती है। ऐसे में किसी खिलाड़ी या प्रशिक्षक का राष्ट्रीय तकनीकी अधिकारी के रूप में चयन खेल की गुणवत्ता और विश्वसनीयता का भी प्रमाण माना जाता है। जानकारी के अनुसार, ऑल इंडिया समुराई मार्शल आर्ट फेडरेशन भारत में समुराई स्पोर्ट्स की आधिकारिक संस्था है, जिसे वर्ल्ड समुराई फेडरेशन से मान्यता प्राप्त है। फेडरेशन देशभर में समुराई स्पोर्ट्स के तकनीकी मानकों को विकसित करने के साथ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का संचालन कर रहा है। फेडरेशन का दीर्घकालिक लक्ष्य समुराई स्पोर्ट्स को स्कूल गेम्स, ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स और खेलो इंडिया जैसे प्रतिष्ठित मंचों तक पहुंचाना है, ताकि खिलाड़ियों को संगठित प्रतिस्पर्धा, तकनीकी प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय अवसर उपलब्ध हो सकें। इस उपलब्धि पर किशन सोनवाल ने कहा कि नेशनल रेफरी के रूप में उनकी प्राथमिकता प्रतियोगिताओं का पारदर्शी, निष्पक्ष और तकनीकी मानकों के अनुरूप संचालन सुनिश्चित करना होगी। साथ ही वे राजस्थान में समुराई स्पोर्ट्स के विस्तार, प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों के तकनीकी उन्नयन तथा नई प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए सक्रिय प्रयास करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि समुराई स्पोर्ट्स केवल आत्मरक्षा का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, मानसिक एकाग्रता, रणनीतिक निर्णय क्षमता, शारीरिक दक्षता और व्यक्तित्व विकास का सशक्त खेल है। यदि इसे संस्थागत स्तर पर प्रोत्साहन मिला तो राजस्थान के खिलाड़ी राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी अपनी प्रतिभा का परचम लहरा सकेंगे।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।